Pg 1 Seema Aziz

B.A II (H) 18/7/20

Home-Science

Q कार्य सरलीकरण के कौन-कौन सिद्धांत है ? कार्य एव कार्य करने की विधियों में सुधार कैसे किया जा सकता है ?

Ans किसी भी कार्य को करने में समय और शक्ति लगती है काम करने के तरीके पर ही समय और शक्ति की मात्रा निर्भर करती है काम करने की विधि में सुधार कर समय और शक्ति की बचत की जा सकती है

कार्य सरलीकरण का अर्थ → निर्धारित समय और शक्ति की मात्रा के अन्तर्गत ही अधिक कार्य सम्पन्न करना काम करने का ऐसा तरीका है जिससे कम-से-कम समय तथा शक्ति खर्च कर अधिक-से अधिक कार्य किया जा सके। कार्य के सरलीकरण के अन्तर्गत कार्य करने की सबसे सरल, आसान एवं शीघ्रता से सम्पन्न करने की विधि अपनायी जाती है कार्य सरलीकरण में निम्नलिखित का योगदान रहता है

1 कार्य → कार्य करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि किस तरह कार्य किया जाये जिससे समय और शक्ति भी बचे तथा कार्य भी ठीक से हो सके जैसे भोजन परोसते समय एक ही ट्रे में सारा सामान सजाकर खाने की मेज पर लाना चाहिए, जिससे समय और शक्ति कि बचत होती है

Scanned with CamScanner

2. कार्यकर्ता ⇒ कार्य करने कि उचित विधि तथा शरीर संचालन का उचित ढंग कार्य करने वाला का मालूम होना चाहिए।

3. कार्य करने की स्थितियाँ एवं उपकरण ⇒ कार्य किस स्थिति में किया जा रहा है तथा कार्य करने के उपकरण कैसे है, इस पर भी कार्य सरलीकरण निर्भर करता है प्रसन्न मन से कार्य करने पर कार्य शीघ्र हो जाता है। उपकरण ठीक अवस्था में रहता है तो कार्य शीघ्रता से सम्पन्न होता है।

कार्य एवं कार्य करने की विधियों में सुधार के उपाय ⇒ किसी भी कार्य को करने की विधि को सरल बनाया जा सकता है। किसी कार्य को शुरू करने से पहले विचार करें उसे सरल बनाया जा सकता है। कोई कार्य करने समय गति और समय का अपव्यय कार्य करने की विधि में सुधार लाकर बचाया जा सकता है। सबसे पहले मण्डेल ने सन् 1940 ई० में गृहकार्यों के सरलीकरण के संबंध में पाँच सिद्धान्त प्रतिपादित किये है।

Scanned with CamScanner

(1) हाथ और शरीर की गतियों में परिवर्तन ⇒ शारीरिक क्रियाओं तथा शरीर की अवस्था में परिवर्तन करके समय एवं शक्ति का बचाव किया जा सकता है एक हाथ की बजाए दोनों हाथों से काम करने से काम जल्दी होता है भोजन बनाने में कम बर्तन का प्रयोग करना चाहिए ये गतियों में परिवर्तन के कुछ उपकरण है। काम करने के क्रम में परिवर्तन करने से काम को एक साथ करने से एवं कई ~~और~~ बार काम करने से गति में कमी आती है उचित आसन में काम करने से कम शक्ति लगती है

2 कार्य करने के स्रोत एवं उपकरण में परिवर्तन ⇒ सामान का संग्रह, स्थान का संगठन रसोईघर के उपकरण की पुनः व्यवस्था, नये उपकरणों का उपयोग आदि के द्वारा कार्य सरलीकरण किया जा सकता है

रसोईघर का संगठन करके समय और शक्ति को बचाया जा ~~करता~~ सकता है गृह कार्य में प्रयुक्त होने वाले उपकरण उचित अवस्था में होने चाहिए। जिससे समय और शक्ति का बचाव हो। गृह कार्य में प्रयुक्त होने वाले सामान ऐसे स्थान पर हो जो आसानी से मिल सकें

(3) उत्पादन में परिवर्तन → आजकल बाजार में बने-बनाये सामान मिलते है जो जिन्हें प्रयुक्त करके समय और शक्ति बचायी जा सकती है। सम्पूर्ण मसाले के स्थान पर चूर्ण मसाला, टमाटर की चटनी की जगह सॉस आदि के प्रयोग से समय तथा शक्ति को बचत की जा सकती है।

(4) क्रम में परिवर्तन

(5) पदार्थों में परिवर्तन

Scanned with CamScanner